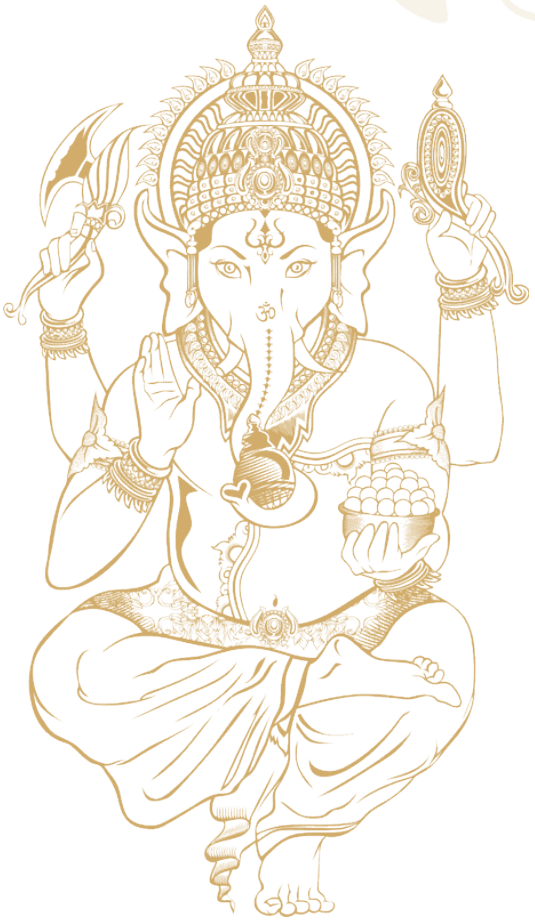

??????

24 Dec 2000

07:50 PM

Alwar

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**24/12/2000**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:50:00 घंटे**
इष्ट	31:36:19 घटी
स्थान	**Alwar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:32:00 उत्तर
रेखांश	76:35:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:26:20 घंटे
वेलान्तर	00:00:20 घंटे
साम्पातिक काल	01:40:00 घंटे
सूर्योदय	07:11:28 घंटे
सूर्यास्त	17:35:24 घंटे
दिनमान	10:23:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	09:13:15 धनु
लग्न के अंश	09:25:17 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यू-युक्ता
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:25:17	308:39:01	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			धनु	09:13:15	01:01:09	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	26:47:27	12:08:13	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	नीच राशि
मंगल			तुला	06:43:06	00:35:28	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
बुध		अ	धनु	08:31:48	01:35:16	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		वृष	08:59:45	00:06:03	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मक	24:49:17	01:07:50	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृष	01:05:16	00:03:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	21:37:11	00:01:19	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	21:37:11	00:01:19	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	24:26:17	00:02:41	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
नेप			मक	11:12:26	00:02:00	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	19:38:00	00:02:13	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मेष	03:04:20	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:58

लग्न-चलित

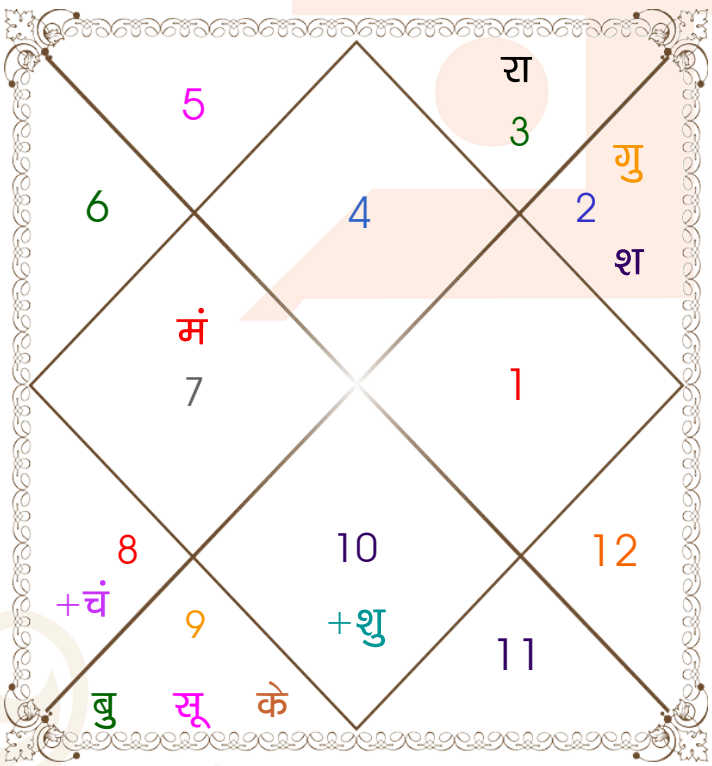

चन्द्र कुंडली

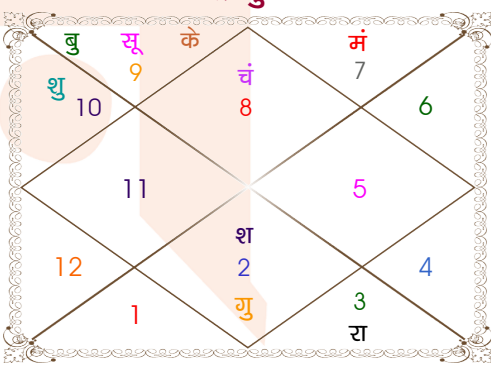

नवमांश कुंडली

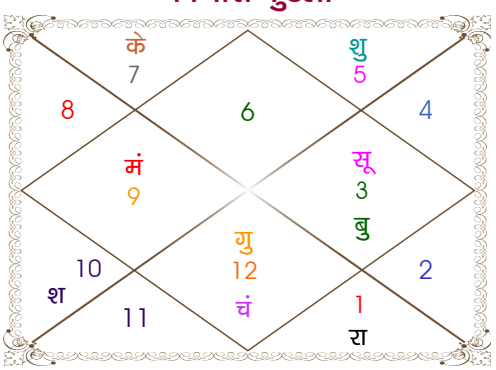

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 4 वर्ष 1 मास 2 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/12/2000		27/01/2005		28/01/2012		28/01/2032		27/01/2038	
27/01/2005		28/01/2012		28/01/2032		27/01/2038		28/01/2048	
	00/00/0000	केतु	25/06/2005	शुक्र	29/05/2015	सूर्य	16/05/2032	चंद्र	27/11/2038
	00/00/0000	शुक्र	25/08/2006	सूर्य	28/05/2016	चंद्र	15/11/2032	मंगल	28/06/2039
	00/00/0000	सूर्य	31/12/2006	चंद्र	27/01/2018	मंगल	23/03/2033	राहु	27/12/2040
	00/00/0000	चंद्र	01/08/2007	मंगल	29/03/2019	राहु	14/02/2034	गुरु	28/04/2042
	00/00/0000	मंगल	28/12/2007	राहु	29/03/2022	गुरु	03/12/2034	शनि	28/11/2043
	00/00/0000	राहु	15/01/2009	गुरु	27/11/2024	शनि	15/11/2035	बुध	28/04/2045
	24/12/2000	गुरु	21/12/2009	शनि	28/01/2028	बुध	21/09/2036	केतु	27/11/2045
गुरु	20/05/2002	शनि	30/01/2011	बुध	27/11/2030	केतु	27/01/2037	शुक्र	29/07/2047
शनि	27/01/2005	बुध	28/01/2012	केतु	28/01/2032	शुक्र	27/01/2038	सूर्य	28/01/2048

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/01/2048		27/01/2055		27/01/2073		27/01/2089		29/01/2108	
27/01/2055		27/01/2073		27/01/2089		29/01/2108		00/00/0000	
मंगल	25/06/2048	राहु	09/10/2057	गुरु	17/03/2075	शनि	31/01/2092	बुध	26/06/2110
राहु	13/07/2049	गुरु	04/03/2060	शनि	27/09/2077	बुध	10/10/2094	केतु	23/06/2111
गुरु	19/06/2050	शनि	09/01/2063	बुध	03/01/2080	केतु	18/11/2095	शुक्र	23/04/2114
शनि	29/07/2051	बुध	28/07/2065	केतु	09/12/2080	शुक्र	18/01/2099	सूर्य	28/02/2115
बुध	25/07/2052	केतु	16/08/2066	शुक्र	10/08/2083	सूर्य	31/12/2099	चंद्र	29/07/2116
केतु	21/12/2052	शुक्र	16/08/2069	सूर्य	28/05/2084	चंद्र	01/08/2101	मंगल	26/07/2117
शुक्र	20/02/2054	सूर्य	10/07/2070	चंद्र	27/09/2085	मंगल	10/09/2102	राहु	13/02/2120
सूर्य	28/06/2054	चंद्र	09/01/2072	मंगल	03/09/2086	राहु	17/07/2105	गुरु	25/12/2120
चंद्र	27/01/2055	मंगल	27/01/2073	राहु	27/01/2089	गुरु	29/01/2108		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 4 वर्ष 1 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।